शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार
nbt.india
नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 3 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950-2025

सोमवार, 03 फरवरी, 2025

भारत के संविधान के विविध पहलुओं को दर्शाता थीम मंडप

हॉल संख्या-5 में प्रवेश करते ही, बाईं ओर बने सेल्फी प्वाइंट, 'हम, भारत के लोग...' के साथ बच्चे, बड़े—सभी अपनी फोटो क्लिक करवाते नजर आते हैं। पुस्तक मेला में आए आगंतुकों के बीच सेल्फी प्वाइंट्स का विशेष आकर्षण है। असल में, इस हॉल में ही नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के थीम—'गणतंत्र @75 : गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव 1950-2025' को प्रदर्शित करते एक विशिष्ट और बेहद आकर्षक, थीम मंडप का निर्माण किया गया है, जहाँ पहले दिन से ही जबरदस्त जनसमूह उमड़ रहा है। विदित हो कि थीम मंडप का डिजाइन भारत के संविधान पर आधारित है, जो उस नींव का प्रतीक है, जिस पर न्याय, समता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के स्तंभ स्थित हैं। मंडप में प्रदर्शित कला एवं शिल्प-कौशल संविधान की सौंदर्य समृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं।

थीम मंडप की निर्मिति ऐसी की गई है कि आगंतुक चारों ओर पुस्तक के स्टॉल्स के बीच इसे एक केंद्रीय एवं प्रमुख भाग के रूप में पाते हैं, जहाँ वे बेहद आकर्षक डिजाइन में, मंडप के 'मुख' के रूप में, 'हम, भारत के लोग...'

—भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' की 'उद्देशिका' के आरंभिक शब्द—से साक्षात करते हैं। यहाँ आगंतुक प्रायः खड़े होकर अपनी फोटो खिंचवाते हैं और 'देश में जनता ही सर्वोच्च है'—इस भाव की अनुभूति करते हैं। मंडप के एक केंद्रीय भाग के भित्तिचित्र पर देश की माननीया राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के, संविधान संबंधी एक महत्वपूर्ण कथन को अंकित किया गया है—"हमारा संविधान, हमारे सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है।" यह कथन संविधान दिवस, 26 नवंबर, 2024 के अवसर का है।

थीम मंडप में सबसे केंद्रीय स्थान पर 'भारत का संविधान' मूल ग्रंथ, राजकीय प्रतीक—तीन ओर मुँह किये हुए सिंह की प्रतिमा तथा प्रतीक चिह्न, 'गणतंत्र भारत के 75 वर्ष' थीम के दृश्य निरूपण धर्मचक्र से प्रेरित, प्रदर्शित हैं।

विदित हो कि यह प्रतीक चिह्न, जिसमें 24 तीलियाँ हैं—भारत के विकास के सिद्धांत का प्रतीक हैं। इसमें सभी 22 अनुसूचित भाषाएँ शामिल हैं, जो भारत के बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को उजागर करती हैं। मंडप में हिंदी एवं अंग्रेजी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं में एनबीटी तथा कुछ निजी प्रकाशनों की संविधान, लोकतंत्र, भारत के राज्य, राष्ट्रीय व्यक्तित्व, शासन व्यवस्था आदि पर आधारित अनेक पुस्तकें प्रदर्शित हैं। भारत के संविधान के चित्रित पृष्ठों का प्रदर्शन एक प्रमुख आकर्षण है। एक भित्तिचित्र पर भारतीय संविधान की निर्माण-यात्रा की झलकियाँ भी दिखाई गई हैं। संविधान-निर्माण के विभिन्न चरणों की तिथिवार प्रदर्शनी भी लोग, विशेषकर बच्चे और युवा, बड़े चाव से देखते दिखलाई देते हैं। संविधान में वर्णित मूल

अधिकारों तथा कर्तव्यों को प्रदर्शित करता एक भित्तिचित्र भी यहाँ है। एक भित्तिचित्र पर भारत के संविधान के चित्रों को बनाने वाले कलाकार एवं सुलेखकों की तस्वीरें उनके नाम सहित दर्शाई गई हैं। कुछ रोचक तथ्यों की प्रस्तुति-क्रम में संविधान लिखने के लिए प्रेम बिहारी नारायण रायजादा द्वारा प्रयोग की गईं विभिन्न सुलेख कलम की तस्वीरें हैं।

संविधान सभा की महिला सदस्यों के चित्र भी एक स्थान पर प्रदर्शित हैं। एक महत्वपूर्ण आकर्षण है 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा के 284 सदस्यों द्वारा संविधान पर किये गए हस्ताक्षर को दर्शाते भित्तिचित्र। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के अलावा, शासन के चौथे स्तंभ, मीडिया की भूमिका को भी प्रमुखता से थीम मंडप में दर्शाया गया है। 'विकास का सूत्र-आत्मनिर्भर भारत' को प्रदर्शित करते कुछ अखबारी हेडलाइंस को प्रदर्शित करता भित्तिचित्र भी मंडप का एक बड़ा आकर्षण है। एक भित्तिचित्र में अब तक के भारत के सभी राष्ट्रपतियों की तस्वीरें दर्शाई गई हैं। कुल मिलाकर, थीम मंडप भारत के संविधान के विविध पहलुओं को शब्द और चित्रों-तस्वीरों के माध्यम से दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण मंडप के रूप में पुस्तक मेला का सर्वाधिक बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

बाल मंडप

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित संगीतमय कथावाचन सत्र में वसुधा आहूजा ने बच्चों को मनोरंजक तरीके से कई कहानियाँ सुनाईं। उन कहानियों को गीत के रूप में कुणाल शांडिल्य ने गाया और गिटार के साथ संगीत दिया। वसुधा आहूजा ने बच्चों को सुधा मूर्ति द्वारा लिखी गई कहानी 'स्पून ऑफ साल्ट' की पात्र गीता की भूल जाने वाली कहानी सुनाई।

करण सिंह ने बच्चों के लिए मनोरंजक शैली में कैरिकेचर कार्यशाला का आयोजन किया। करण सिंह ने बच्चों को कैरिकेचर बनाने में ध्यान रखने वाली बातों को समझाते हुए उसकी बारीकियों पर बच्चों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक करण सिंह का कैरिकेचर बनाया।

अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिये कार्यक्रम में बच्चों के मनपसंद कार्टून चरित्रों—छोटा भीम और लिटिल सिंघम से बच्चों को मिलाया गया। छोटा भीम और सिंघम के आने से बच्चे खुश हुए और उनके साथ डांस किया।

वैभव की क्ले मॉडलिंग कार्यशाला में बच्चों ने क्ले द्वारा विभिन्न आकृतियों को बनाना सीखा। बच्चों ने दीया, गिलास, कटोरी आदि तरह की आकृतियाँ बनाईं।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा 'मुस्कान फैलाएँ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने वास्तविक जीवन के हीरो को धन्यवाद-पत्र लिखा। बच्चों ने अपने माता-पिता, सैनिकों, डॉक्टरों, पुलिस और विभिन्न समाज सेवकों को भी धन्यवाद-पत्र लिखा। बच्चों को उत्साहित करने के लिए लिटिल सिंघम और छोटा भीम मंच पर आए, जिन्हें देखकर बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई।

रूस की चित्रकार ओल्गा लेव्वेंको और बाल कहानीकार अनास्तासिया स्त्रोकिना द्वारा 'बच्चों की नजर से रूस-भारत' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भारत और रूस के बच्चों ने साथ में चित्र बनाए। कार्यक्रम के दौरान ओल्गा लेव्वेंको ने रूस की प्रसिद्ध 'सुनहरे मुर्गे की कहानी' सुनाई। वह सुनहरा मुर्गा एविल से बुराइयों के खिलाफ लड़ता है। वह बुराइयों के खिलाफ लड़ते-लड़ते घायल भी हो जाता है फिर भी जीत जाता है। बच्चों ने इस विषय पर 15 मिनट में पेंटिंग बनाई। बच्चों को रूस से आए पुरस्कार भी वितरित किये गए।

वंडर रूम लाइब्रेरी द्वारा रूस से आए बच्चों के लिए भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति की गई। जिसमें बागेश्वरी नृत्यालय के छात्रों ने भरतनाट्यम नृत्य की विभिन्न विधा को रूस से आये मेहमानों के लिए प्रस्तुत किया। बच्चों ने सर्वप्रथम गणेश वंदना प्रस्तुत की, उसके पश्चात 'अलाड़कू' नृत्य, जिसमें गुरु के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाया गया। कृष्ण के प्रति गोपियों की भावनाओं को दर्शाते हुए नृत्य भी किया।

स्कॉलास्टिक ऑथर्स एकेडमी द्वारा आयोजित चिल्ड्रन ऑथ'र्स मीट में पाँच बाल लेखक सम्मिलित हुए। जिसमें उन्होंने एक लेख या कहानी लिखने के अनुभव को लोगों के साथ बाँटा।

थीम मंडप

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत वैशाली कर्माकर द्वारा 'ग्लोबल कल्चर चेंजेज एंड दि कॉन्स्टिट्यूशन' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वैशाली कर्माकर ने कहा, "वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर कई बदलाव हो रहे हैं और भारत को सकारात्मक बदलावों को अपनाना चाहिए।" एशिया पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि एशिया में कृषि और कुटुम्ब व्यवस्था समाप्त हो रही है और हम व्यक्तिवाद की ओर बढ़ रहे हैं।" लेखिका विभावरी विदवे ने कहा कि जब कोई संस्कृति बदलती है तो उसका प्रभाव समाज और संविधान, दोनों पर होता है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित 'लिंग्विस्टिक डिस्कशन इन दि कॉन्स्टिट्यूशन असेम्बली' सत्र में डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. आनंद कटिकर, डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी और प्रो. चंद्रशेखरन ने भाग लिया। डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को बधाई देते हुए कहा, "बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर इस मंच से सरस्वती जी को नमन करना सौभाग्य की बात है।" सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की सरस्वती वंदना की पंक्तियाँ "वर दे वीणावादिनी वर दे! प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे!" को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, "इस गणतंत्र में अमृत कलश तभी भर सकता है, जब हम अंग्रेजी की बैसाखी छोड़ देंगे।" डॉ. आनंद कटिकर ने कहा, "त्रि-भाषा सूत्र पर पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।" वहीं प्रो. चंद्रशेखरन ने संविधान सभा के संदर्भों को उद्धृत करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं के सम्मान पर जोर दिया।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल (FoF) द्वारा आयोजित 'रील नेरेटिव-रियल चेंज 'सत्र में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, अभिनेता एवं राजनेता प्रकाश झा शामिल हुए। इस सत्र में उन्होंने टेलीविजन एंकर रूबिका लियाकत से बातचीत के दौरान साहित्य, सिनेमा और राजनीति समेत कई विषयों पर अपने विचार रखे। युवाओं के संदर्भ में बोलते हुए उन्होंने कहा, "युवा वर्ग कला और साहित्य जैसे विषयों में रुचि नहीं दिखा रहे हैं और आजकल सारे संबंध स्मार्टफोन तक सीमित हो गए हैं। स्मार्टफोन का अविष्कार एक दूसरे से बात करने के लिए हुआ था, लेकिन अब इसी की वजह से लोगों ने आपस में संवाद करना ही बंद कर दिया।" भारत की शिक्षा पर उन्होंने कहा कि भारत में इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तरह इंडियन टीचिंग सर्विस की स्थापना होनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय सिनेमा पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा वर्तमान में कठिन समय से गुजर रहा है, क्योंकि अच्छी कहानियों का कहीं-न-कहीं अभाव है। अपनी फिल्मों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि वो किसी व्यक्ति पर नहीं, अपितु व्यवस्था पर फिल्म बनाते रहेंगे। प्रकाश झा ने 'मदर इंडिया' को अपनी पसंदीदा फिल्म एवं दिलीप कुमार को अपना पसंदीदा अभिनेता बताया।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'डेयर टू ड्रीम-डेयर टू विन' सत्र में प्रसिद्ध लेखक शिव खेड़ा ने कहा, "जब तक इंसान की जिंदगी है तब तक समस्याएँ भी रहेंगी, इसलिए व्यक्ति को कभी समस्याओं से विचलित नहीं होना चाहिए।"

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

सऊदी अरब द्वारा आयोजित 'बिल्डिंग कल्चरल ब्रिजेस थ्रू पोएट्री ट्रांसलेशन' पर डॉ. शिहाब गनेम द्वारा एक प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शिहाब गनेम का वक्तव्य अरब जगत और भारतीय महाद्वीप के बीच सांस्कृतिक समाज को बढ़ावा देने के उपकरण के रूप में अनुवाद की भूमिका पर केंद्रित रहा। इसका लक्ष्य यह दर्शाना है कि दोनों भाषाओं के बीच काव्यात्मक भावनाओं और अर्थों को किस प्रकार व्यक्त किया जाता है और दोनों संस्कृतियों के मध्य सेतु निर्माण के लिए साहित्य का अनुवाद क्यों महत्वपूर्ण है। डॉ. शिहाब ने अपनी कुछ रचनाओं का पाठ भी किया।

लिटरेचर पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब द्वारा 'द कल्चर इंडस्ट्री' थीम पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के तौर पर अबीर अल-अली की उपस्थिति रही और कार्यक्रम का संचालन अहमद अल-रिदिनि ने किया। सत्र की शुरुआत कल्चर इंडस्ट्री को आसान भाषा में परिभाषित करने से हुआ। इसमें बताया गया कि फिल्में, संगीत, टीवी शो, किताबें, मैगजीन, पेंटिंग और वीडियो गेम जैसी चीजों को बनाने, बेचने और इस्तेमाल करने की प्रक्रिया को संस्कृति उत्पादन कहते हैं। यह तय करता है कि हमारे आसपास की लोकप्रिय चीजें कैसे बनती हैं और समाज पर उनका क्या असर पड़ता है। कल्चर इंडस्ट्री को लेकर अंतरराष्ट्रीय सरकारों के कार्यों पर चर्चा की गई।

टीएलसीजीएमबीएच रूस द्वारा 'मैजिकल रियलिज्म एंड फेंटेसी इज दि मेन जॉनर ऑफ मॉडर्निटी' विषय पर डेनिस लुक्यानोव का व्याख्यान हुआ। उन्होंने बताया कि पुराने समय में लोग कहानियों और मिथकों से दुनिया को समझते थे। फिर लोग वही लिखने लगे, जो सच में दिखता था, इसे यथार्थवाद कहा गया। लेकिन जब दुनिया में बड़ी घटनाएँ हुईं और सब बदल गया, तो लेखकों ने कल्पना और फैंटेसी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि साहित्य सिर्फ सच दिखाने के लिए नहीं, बल्कि इंसान होने का मतलब समझाने के लिए भी होता है। डेनिस लुक्यानोव ने कुछ खास किताबों का जिक्र किया। गौरव मोहंती की 'संस ऑफ डार्कनेस' एक फैंटेसी कहानी है। 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' जादुई दुनिया की मशहूर किताब है। 'हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलिट्यूड' नाम की किताब में असली और जादुई घटनाएँ एक साथ मिलती हैं। एकत्रिना जूवोंसोवा की 'द कोस्ट ऑफ द डेड फॉरगेट-मी-नॉट्स' दुनिया के खत्म होने की कहानी बताती है। ओल्गा प्तिसेवा की 'लेस ऑफ वंडर्स' इंसान के अंदर के डर को दिखाती है। गार्सीया गैब्रिएल की 'ऑल द सीज ऑफ द वर्ल्ड' उन लोगों की कहानी है, जिन्हें अपना घर छोड़ना पड़ता है। रिनात गाजोजोव की 'इनविटेशन टू लव' ऐसे लोगों की कहानी है, जो समाज में दूसरों से अलग महसूस करते हैं।

व्हाइट लोटस बुक शॉप, नेपाल द्वारा साइलेंट वॉयस एंड अल्केमी ऑफ नाइन स्माइल्स फॉलोड बाई मल्टिलिंग्वल पोएट्री रीडिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें युयुत्सु शर्मा की किताब 'दि अल्केमी ऑफ नाइन स्माइल्स', सीता पांडे की किताब 'साइलेंट वॉइस' और प्रतीक की पत्रिका 'सिटी डाइवर्जन्स स्पेशल इश्यू' का लोकार्पण किया गया। इसके बाद कवियों ने काव्य पाठ किया। प्रो. रघुवीर शर्मा, नेपाली कवि अमर आकाश, युयुत्सु शर्मा, अश्विनी कुमार, धनंजय सिंह, राकेश डोभाल और अपनी कविता 'सोन चिरैय्या' से सबका दिल जीत लेने वाले प्रो. जितेंद्र श्रीनिवास भी शामिल थे।

साहित्यिक गतिविधियाँ

'बुकलवर पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा 'बियॉन्ड बॉर्डर्स-2' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसमें

लेखिका श्रवणी की पुस्तक 'द मिस्टीरियस केव ऑफ रम्पा', अभिनव नवीन की पुस्तक '8 ट्रुथ्स', मुसर्रत अहमद शाह की पुस्तक 'अनलीसिंग योर रेडिएंट सेल्फ', डॉ. कोमल मलिक की पुस्तक 'अ सर्जन ओडेसी थ्रू सर्जरी', 'स्पोर्ट्स एंड स्वीटहार्ट्स', वत्सला सिंह की पुस्तक 'द पॉइंट ऑफ नो रिटर्न' और देविका दास की पुस्तक 'मेघना' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में कर्नल कौशल कश्यप और लेफ्टिनेंट कर्नल कौशलेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निखिल द्वारा किया गया।

द ग्रेट इंडियन बुक टूर और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अभिनव एवं अनूठे उपक्रम फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'रिदम एंड रिफ्लेक्शन : अ जर्नी थ्रू पोएट्री' कार्यक्रम आयोजित किया गया। मैत्रेयी देवी सिसोदिया ने 'विक्टोरियन एज' की कविता पर चर्चा करते हुए बताया कि उस समय की कविता और समकालीन कविता में क्या समानताएँ हैं। पद्मश्री समृद्धि मंडावत ने कहा, "लैंगिक असमानता के मुद्दे पर केवल महिलाओं को ही नहीं, बल्कि समाज को भी सोचना चाहिए।" डॉ. सोनिका सेठी ने कहा, "कविता आपको अपने विचारों को प्रभावी रूप से व्यक्त करने में सहायता करती है।" मंच का संचालन लेखिका जिगांशु शर्मा ने किया।

अद्विक पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसमें 'यादों के झरोखे' (सीरीज) के अंतर्गत 12 संस्मरण पुस्तकें लोकार्पित की गईं। उनके लेखकों ने किताब से जुड़े अपने संस्मरण को लोगों से साझा किया, जिसमें हरविंदर मांकड़ की

पुस्तक 'लम्हे', गिरीश पंकज की 'बदनाम गलियों में गिरीश', अशोक मिश्र की पुस्तक 'अनवरत', जया रावत की पुस्तक 'आधी-अधूरी प्रेम कहानी' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लक्ष्मीशंकर वाजपेयी ने कहा कि लेखकों को विभिन्न क्षेत्रों में संस्मरण लिखना चाहिए।

माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस (FoF) के संयुक्त तत्वावधान में 'राइटिंग थ्रू द लेंस ऑफ इंपावरमेंट : स्टोरीज दैट इंस्पायर चेंज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देविका दास की पुस्तक 'मेघना' पर चर्चा की गई। अनुज गुगलानी ने कहा, "आधुनिक युग में ऐसा कोई कार्य नहीं हैं, जिसे महिलाएँ पुरुषों से बेहतर नहीं कर सकतीं।" डॉ. प्रगति सुरेका ने कहा, "फेमिनिज्म का मतलब उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करना होता है, जिसे मुख्य धारा में आने के मौके नहीं मिले।" इस कार्यक्रम में श्वेता रानी, प्रियंका शर्मा उपस्थित रहीं। मंच संचालन काजल कपूर द्वारा किया गया।

माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस (FoF) के संयुक्त तत्वावधान में 'थ्रिलिंग थ्रू टाइम—डाइलेमा एंड इंडियाज जर्नी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नीलोत्पल गोहेन की पुस्तकों के बारे में चर्चा की गई। चेतना कीर ने पाठकों से भारतीय थ्रिलिंग उपन्यासों को पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा, "हम अभी भी शेरलॉक होम्स और अगाथा क्रिस्टी पर आसक्त हैं। हमें नए उपन्यासों को पढ़ना चाहिए। 'थ्रिलिंग उपन्यासों में नैतिकता' पर चर्चा करते हुए नितीश भूषण ने कहा, "नैतिकता समय के साथ बदल जाती है।" इस कार्यक्रम का संचालन काजल कपूर ने किया।

द ग्रेट इंडियन बुक टूर और FoF के संयुक्त तत्वावधान में 'नेविगेटिंग द इंटरसेक्शन ऑफ एआई एंड ह्यूमन क्रिएटिविटी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. हर्षाली सिंह ने कहा, "एआई लेखक के रिसर्च कार्य को आसानी से कर सकता है, लेकिन एआई भविष्य के लिए खतरनाक हैं।" नेहा शर्मा ने कहा कि लेखन में एआई का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। अरिजीत गून ने कहा कि "हमें एआई का सकारात्मक रूप से उपयोग करना चाहिए।" जिगांशु शर्मा ने एआई को रचनात्मकता के लिए खतरा बताया। मंच संचालन लेखिका सुप्रिया शर्मा ने किया।

इंक पब्लिकेशन द्वारा 'भूली बिसरी धरोहर' (शिवानी चतुर्वेदी), 'लाइफ 2.0' (सुरभि जैन), 'नेवर अवे फ्रॉम यू' (जयंती सेन मीणा), 'टेंपल टू टनल' (सविता सिंह 'सैवी'), 'कठपुतलियाँ जीवित हैं' (प्रतिमा 'पुष्प'), 'दस्तक' (अल्का गुप्ता) और 'बाँझ' (सोनू चौहान), कुल सात पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर 'दस्तक' की लेखिका अल्का गुप्ता ने कहा कि कविता के माध्यम से गागर में सागर भरा जा सकता है। 'लाइफ 2.0' की लेखिका सुरभि जैन अपनी पुस्तक के बारे में कहती हैं, 'रीड, फील, अप्लाई', इसके बाद अपने जीवन का 2.0 का दौर शुरू करिए। 'टेंपल टू टनल' सविता सिंह 'सैवी' की उत्तराखंड टनल में फँसे 41 मजदूरों पर आधारित पुस्तक है।

हिंदी श्री पब्लिकेशन द्वारा 'मुझको जला गया वो सूरज', 'अंतर्मन की पीड़ा', 'कारवाला भूत', 'शून्य से शिखर', 'बहादुर कूक' पुस्तक का लोकार्पण किया गया और चर्चा भी की गई। इस कार्यक्रम के वक्ता पं. अनित्य नारायण मिश्र, शिब्बू गाजीपुरी, डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, आनन्द अमित, वेद प्रकाश प्रजापति रहे। डॉ. रामचंद्र और डॉ. अशोक की पुस्तक 'मेरे हिस्से की धूप', श्योनाथ सिंह की पुस्तक 'सतरंगी गमला', श्री हरीश भारद्वाज की पुस्तक 'उड़ते आखर' और डॉ. मिथलेश की आत्मकथा 'शून्य से शिखर तक' पुस्तकें भी इस लोकार्पण में शामिल थीं। पंडित अनित्य नारायण मिश्र ने अपनी कविता 'दो आशीर्वाद वरदानी' का पाठ भी किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'संथाली भाषा, साहित्य, एवं संस्कृति का विकास' पर चर्चा की गई। जिसमें सरोजिनी बसेरा, प्रेम सरेन, यशोदा मुर्मू ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने संथाली का इतिहास, उसकी लिपि और संस्कृति पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में शामिल सरोजिनी बसेरा ने कहा कि किसी भाषा को जीवित रखने के लिए उस भाषा में बोलने-लिखने वाले लोग जरूरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि संथाली भाषा आदिवासियों की भाषा होने के कारण इतने दिनों तक उपेक्षित रही। लेकिन अब उन्हें गर्व है कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी संथाली भाषी हैं। वहीं कार्यक्रम के दूसरे वक्ता प्रेम सरेन ने बताया कि कैसे संथाली इंडो-चीन के रास्ते उड़ीसा तक पहुँची। उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से 'एक भाषा एक लिपि' को बढ़ावा देने का आग्रह किया। इस चर्चा में शामिल यशोदा मुर्मू ने कहा कि संथालों का एक सपना था कि उनका अपना राज्य हो, उस राज्य की अपनी राज्य भाषा हो और उसकी अपनी एक लिपि हो। लेकिन केंद्र सरकार और राज्य सरकार में तालमेल नहीं होने के कारण आज तक 'एक भाषा, एक लिपि' लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने संथाली भाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने की माँग की।

प्रलेक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित शैलबाला महापात्र की पुस्तक 'एक बार दीवार बन गए तो' का लोकार्पण नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 में हुआ। इस किताब का अनुवाद राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने मूल ओड़िया से हिंदी में किया है। इस अवसर पर लीलाधर मंडलोई, दिविक रमेश, भारत भूषण आर्य, सुनील सक्सेना, राजेंद्र उपाध्याय, मानस रंजन महापात्र, सुरेश उनियाल आदि उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक मंच पर आयोजित म्यूजिकल कार्यक्रम में दिग्गवी एवं अंकित ग्रुप ने अपनी विभिन्न प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

रशियन कलाकार आंद्रेयी मैट्वीव ने बालालाइकस इंस्ट्रूमेंट पर मधुर धुनें प्रस्तुत कीं।

सोमवार, दिनांक 03 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
11:00-11:50	इंडियन वोकैब्युलरी इन एमिराती सोसाइटी : ए प्रेजेंटेशन; *प्रस्तुति* : डॉ. आइशा अल गैथ	यूएई
12:00-12:50	पोएट्री नाइट : ए जर्नी इनटू इंसपिरेशन एंड क्रिएटिविटी ए प्रेजेंटेशन, दलाई रादी, अहमद अल-रिदीनी (*संचालन*)	लिटरेचर, पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब
01:00-01:50	प्रेजेंटेशन ऑफ दि नॉवेल 'ऑडसन'—ए न्यू विनर ऑफ द नेशनल लिटरेरी अवार्ड बिग बुक ऐन इंटरऐक्टिव सेशन विद द ऑथर अलेक्सई वर्लामफ, डीनिस लुक्यानोव (*संचालन*)	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
02:00-02:50	इंटरऐक्टिव लेक्चर ऑन 'फेमस मैजिकल बीस्ट्स ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर', अनास्तासिया स्त्रोकिना	लिटरेचर, पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब
03:00-03:50	एआई, गेमडेव एंड 'गेम राइटर' : ह्वाट लाइज बिहाइंड द लेटर्स? एवेग्नी वोदोलाजकिन, इगोर टॉम्सकी, पन्नीरसेल्वम मदनगोपाल एवं शानदार अहमद के बीच चर्चा-विमर्श	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
04:00-04:50	'मीट द ऑथर' एंड्रिया अनास्तासिया का आना मारिया गेहन्येइ के साथ संवाद, एवं प्रेजेंटेशन ऑफ दि ऑटोबायोग्रैफिकल नॉवेल, इल कॉर्पो नीरो	इटैलियन एंबेसी कल्चरल सेंटर
05:00-05:50	'लियो टॉल्स्टॉय एंड वेदिक ट्रेडिशन' पर अनास्तासिया स्त्रोकिना (*लेखक एवं अनुवादक*) का व्याख्यान; अन्ना एस्पार्सा (*संचालन*)	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
06:00-06:50	प्रेजेंटेशन ऑफ दि कार्टून 'जिंगलकिड्स' बाई इंडियन वॉयस आर्टिस्ट्स : रूपम, स्वास्ति, दीनू, अभिषेक, प्रियंका, अभिषेक सीनियर, हेमंत, पल्लवी एंड चित्रेश; मिखाइल गुसेव (होस्ट-प्रोड्यूसर) एंड आशीष भंडारी (ऐक्टर)	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	'कायदे निर्मित श्रियांचे योगदान'; *वक्ता* : प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, विद्या देवधर, रवींद्र गोले	रा.पु. न्यास
12:00-12:45	बाल साहित्य में संविधान का चित्रण : एक परिचर्चा : विकी आर्य	रा.पु. न्यास
01:00-01:45	'संक्रमण में बोडो साहित्य : आठवीं अनुसूची समावेशन के बाद की अवधि' पर चर्चा	रा.पु. न्यास
02:00-02:45	रसोई से राज्यों तक : भारतीय खाद्य की यात्रा; *वक्ता* : पुष्पेश पंत, सदफ हुसैन	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
03:00-03:45	सादगी की कला : पंकज त्रिपाठी और अक्षत गुप्ता के साथ कथावाचन	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
04:00-04:45	पुस्तक लोकार्पण और 'रेडियो इन जेल' पर चर्चा; *वक्ता* : पी.वी. राम शास्त्री, महक कसबेकर, डॉ वर्तिका नंदा	रा.पु. न्यास
05:00-05:45	'रिपब्लिक @75 : डिस्कसिंग फोर पिलर ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी' विषय पर चर्चा; *वक्ता* : जयकुमार साईं दीपक	रा.पु. न्यास
06:00-06:45	संविधान सभा में भारत के पूर्वोत्तर पर बहस एवं चर्चा; *वक्ता* : डॉ. समुद्र गुप्त कश्यप, उत्पल बोरपुजारी	रा.पु. न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:30-11:15	कथावाचन सत्र	शिवानी कनोडिया
11:15-12:00	अंग्रेजी वर्णमाला सुलेख कार्यशाला	इन्कु कुमार
12:00-12:45	'टेलीफोन टेल्स ऑफ मरिंडा एंड मिरांडा' विषय पर कार्टून प्रस्तुति	मिखाइल गुसेव, अनास्तासिया स्त्रोकिना

सोमवार, दिनांक 03 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
12:45-01:00	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	जेरोनिमो
01:00-01:45	कठपुतलियों के साथ कथावाचन	सीमा वाही
02:00-02:30	बकल अप फॉर भारत दर्शन एडवेंचर विद छोटा भीम एंड लिटिल सिंघम	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
02:30-03:15	कार्टून डिजाइन वर्कशॉप बाई स्कॉलास्टिक	अजित नारायण
03:30-04:15	चिल्ड्रन ऑथ'र्स मीट	स्कॉलास्टिक
04:30-06:15	बाल फिल्मों का प्रदर्शन	एनसीसीएल
लेखक मंच : हॉल सं. 2		
11:00-11:45	डॉ. अरविंद यादव की पुस्तक 'दास्तान-ए-हेमलता का लोकार्पण एवं चर्चा	सर्वभाषा प्रकाशन
12:00-12:45	निलंबित मौन का स्वर, कविता पुस्तक विमोचन; *वक्ता* : मनीष शुक्ल	नेहा प्रकाशन
01:00-01:45	शिखा सक्सेना की पुस्तक 'कारगिल' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
02:00-02:45	फुंसुक लद्दाखी-फेकल्टी	रा.पु. न्यास
03:00-03:45	भारतीय साहित्य विमर्श सिंधी संदर्भ/भारतीय ज्ञान परंपरा; *वक्ता* : जयप्रकाश पांडे, अनंत विजय, प्रिती जगवानी	राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद
04:00-04:45	मेरी सृजनात्मक यात्रा : लेखक से मिलिए, विषय पर चर्चा; प्रो. खालिद जावेद, डॉ. नैमा जाफरी पाशा, डॉ. रिजवानुल हक	रा.पु. न्यास एवं राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद
05:00-05:45	अप्रवासी भारतीयों की कहानियाँ; *वक्ता* : अशर्फ कारायथ (यूएई से), वैशाली हमलई (ओमान से)	रूपा पब्लिकेशन प्रा.लि.
06:00-06:45	'नागरी लिपि एवं पुस्तक संस्कृति' पर चर्चा	नागरी लिपि परिषद
ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5		
11:00-11:45	'मैथलॉजी मीट्स फैंटसी : क्राफ्टिंग एपिक एडवेंचर्स' पुस्तक का लोकार्पण और चर्चा *वक्ता* : मधुरीता आनंद (कृष्णा सर्कस), अंतर आत्रेय (हरि हारा का संघर्ष), प्रभु वेंकटरमन (नेक्टर ऑन द सेवन हिल्स), रशिमा स्वरूप वर्मा और सुभाषिनी	ओम बुक्स इंटरनेशनल
12:00-12:45	आदित्य रंजन द्वारा लिखित 'एसएससी सीजीएल तीसरा संस्करण' और विक्रमजीत द्वारा लिखित 'रीजनिंग गुरु 2.0' पुस्तक का लोकार्पण	एस. चांद ग्रुप
01:00-01:45	शरत ए हरिदासन की पुस्तक 'कृष्णाज विस्पर्स : 18 मेडिटेसंस फॉर ए लाइफ ऑफ परपज एंड प्रोस्पैरिटी'	ब्लूरोज पब्लिशर प्रा.लि.
02:00-02:45	'क्लाइमेट अंडरडॉग्स : फ्रॉम इंडिया टू द वर्ल्ड—ए ग्लोबल कॉल टू एक्शन' पर चर्चा *वक्ता* : पायल मोहिंद्रा, स्मिता वर्मा, तमसील हुसैन, परीशमिता बरुआ, छवि मेहता, नगमा (*संचालन*)	ऑथर्स इंक प्रकाशन (FoF)
05:00-05:45	'एम आई जस्ट ए बेबी वेंडिंग मशीन?' पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा	डॉ. निकिता नरेदी
07:00-07:45	क्लैट (CLAT) प्रतियोगिता पुस्तकों का लोकार्पण	पियर्सन प्रकाशन भावना
सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)		
03:00-04:00	भारतीय छात्रों के लिए रशियन डांस कॉम्पिटीशन	रूस
05:00-06:00	काव्य संध्या	सऊदी अरब
06:00 बजे से	निखिल स्वतंत्र : लाइव	रा.पु. न्यास

मेला वार्ता
सोमवार, 03 फरवरी, 2025

रूस से आई किताबें

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 11 से सायं 8 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2

लेखक मंच

हॉल संख्या 2 और 3

हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक

हॉल संख्या 3 (मेजानिन)

नई दिल्ली राइट्स टेबल

हॉल संख्या 4

विदेशी मंडप
ऑथर्स लाउंज
इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर
विदेशी भागीदार (प्रदर्शनी)
डिजिटल अनुभव क्षेत्र

हॉल संख्या 5

थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)
सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)
ऑथर्स कॉर्नर

हॉल संख्या 6

बाल मंडप
बाल प्रकाशक
टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स
डिजिटल अनुभव क्षेत्र
दर्शन और अध्यात्म, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

एंफीथिएटर 1

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास) : निःशुल्क शटल सेवा उपलब्ध

गेट नं 4 (भैरो मार्ग), गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है।
इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (स्कूल यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. **रेड लाइन** : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम।
2. **ब्ल्यू लाइन** : कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका।
3. **येलो लाइन** : विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक।
4. **वॉयलेट लाइन** : आईटीओ।
5. **ग्रीन लाइन** : मुंडका।
6. **पिंक लाइन** : आईएनए।
7. **मैजेंटा लाइन** : हौजखास।

भाषावार प्रकाशक

• 1. हिंदी : 153 • 2. उर्दू : 20 • 3. संस्कृत : 4 • 4. मलयालम : 2 • 5. पंजाबी : 6 • 6. तमिल : 1 • 7. बांग्ला : 3 • 8. अंग्रेजी : 337 • 9. सिंधी : 2 • 10. मैथिली : 2 • 11. ओड़िया : 4

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/ | https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/ | https://www.kooapp.com/profile/nbtindia

अधिक जानकारी के लिए www.nbtindia.gov.in पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री मेला वार्ता के हॉल संख्या 6 के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।